Downloaded From www.ExamsKart.com

(BIODIVERSITY) शब्द का प्रयोग - वाल्टर जी. रोजेन

जैव विविधता :-

→ किसी भी पारिस्थितिक तंत्र मे या बायोम मे मिलने वाले जीव जंतुओं के प्रजातियों की विविधता को जैव विविधता कहा जाता है।

जीवोम :- समान जैविक तथा अजैविक दशाओं वाले प्राकृतिक पारितंत्र को जीवोम कहा जाता है।
(Biom)

जैव विविधता के प्रकार :→

↳ **आनुवांशिक जैव विविधता :-** एक ही प्रजाति मे पायी जाने वाली जीन संबंधी विविधता है।

↳ **प्रजाति जैव विविधता :-** विभिन्न जातियों के मध्य पायी जाने वाली विविधता है।

→ विषुवतरेखीय वर्षा वन को जैव विविधता का हाट स्पाट कहा जाता है क्योंकि यह विश्व का सर्वाधिक जैव विविधता वाला पारिस्थितिक तंत्र है।

→ सर्वाधिक जैव विविधता भू-मध्य रेखीय प्रदेश मे और विषुवत रेखीय सदाबहार वनों मे पायी जाती है।

↳ **पारिस्थितिक तंत्र जैव विविधता :-**

→ यह एक क्षेत्र की विविधता या पारितंत्र के आधार पर पायी जाने वाली विविधता है।

⇒ सामुदायिक जैव विविधता ज्यादा उत्पादक एवं स्थिर पारितंत्र का निर्माण करती है, जो प्राकृतिक पर्यावरण को स्वस्थ एवं संतुलित बनाए रखने मे सहायक होता है।

→ जैव विविधता की समृद्धि पारितंत्र की स्थिरता तथा संतुलन को निर्धारित करती है।

Downloaded From www.ExamsKart.com

भारत मे जैव विविधता के हाटस्पाट :-

- **हिमालय क्षेत्र** (भारत के उ०पू०भाग, द० मध्य एवं पूर्वी नेपाल एवं भूटान के क्षेत्रों मे फैला हुआ है)
- **पश्चिमी घाट एवं श्रीलंका क्षेत्र** (द० प० भारत एवं श्रीलंका के द० प० के उच्च भूमि तक)

→ इसे विश्व विरासत सूची मे शामिल किया गया है।

→ पश्चिमी घाट के सदाबहार वन - शोला

- **इण्डो बर्मा हाटस्पाट** (भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र असम एवं अण्डमान द्वीप समूह)
- **सुण्डालैण्ड हाटस्पाट** (इण्डोमलाया द्वीप)

भारत का सबसे बड़ा हाटस्पाट - **इण्डो बर्मा सीमा**
भारत का सबसे छोटा हाटस्पाट - **पश्चिमी घाट**

→ सर्वाधिक मानव जनसंख्या घनत्व - पश्चिमी घाट मे

समुद्री संवेदनशील क्षेत्र - (HOP SPOT)

वर्तमान मे कुल - 50

भारत मे दो -
- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार द्वीप समूह

→ निम्न अक्षांशो मे उच्च अक्षांशो से ज्यादा जैव विविधता पाई जाती है।

अत्यधिक जैव विविधता वाले क्षेत्र :-

i) **उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन** :- (सर्वाधिक) → संसार की 50% से ज्यादा प्रजातियां
(जैव विविधता का भंडार)

→ द० अमेरिका के अमेजन उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों की जैव विविधता विश्व मे सर्वाधिक है।

→ विशालता के कारण **पृथ्वी का फेफड़ा** कहा जाता है।

→ यहाँ -
- ज्यादा सौर ऊर्जा उपलब्ध होती है
- कम मौसमी परिवर्तन होता है
- मानव का हस्तक्षेप न्यूनतम होता है।

Downloaded From www.ExamsKart.com

प्रवाल भित्तियाँ :- जीवो के लिए आदर्श पारितंत्र प्रदान करती है।
→ इन्हे समुद्री वर्षा वन कहा जाता है
→ विश्व मे सबसे बड़ी - आस्ट्रेलिया (ग्रेट बैरियर रीफ)

आर्द्र भूमिया :-

मैंग्रोव वन :- जलमग्न रहकर लवणीय पर्यावरण मे अपना पोषण एवं संवर्धन करते हैं।

सर्वाधिक जैव विविधता - भू-मध्य रेखीय प्रदेशों मे
न्यूनतम जैव विविधता - ध्रुवो के निकट
सर्वाधिक जैव विविधता वाला महाद्वीप - अफ्रीका

जैव विविधता ह्रास के कारण :-

प्राकृतिक कारण	मानव जनित कारण
→ ज्वालामुखी उद्गार	* प्राकृतिक आवासो का विनाश
→ जलवायु परिवर्तन	आवासो का विखंडन
→ सूखा एवं अकाल	वन्य जीवो का अवैध शिकार
→ पृथ्वी उल्का पिंड की टक्कर	झूम कृषि
	औद्योगीकरण
	नगरीकरण

* आवास विनाश जैव विविधता के ह्रास का मुख्य कारण है।
* विदेशी जातियों के प्रवेश से - जैव विविधता का क्षय होता है।
  → ये स्थानिक प्रजातियों को नष्ट कर देते हैं।

जैसे -

अमेरिकी गेहूँ के साथ आयातित - कांग्रेस/गाजरघास
मेक्सिको से लाया गया - लेण्टाना कमारा

* कीटनाशक और ग्लोबल वार्मिंग भी जैव विविधता नष्ट होने के कारण हैं।
  पशु-पक्षी, टैगा वन

भारत का सबसे बड़ा वानस्पतिक उद्यान - श्री वेंकटेश्वर (तिरुपुर)

Downloaded From www.ExamsKart.com

प्राकृतिक संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ :- (I.U.C.N)

स्थापना - 5 अक्टूबर 1948
मुख्यालय - ग्लाण्ट (स्विटजरलैण्ड)

→ विश्व का सबसे पुराना एवं सबसे बड़ा वैश्विक नेटवर्क है।
→ सरकारी और गैर सरकारी दोनो संगठन के सदस्य होते हैं।
→ इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा का पर्यवेक्षक दर्जा प्राप्त है
→ यह संयुक्त राष्ट्र का अंग नही है।

मुख्य कार्य - विश्व वन्य जीव कोष (WWF) के कार्यो के साथ समन्वय स्थापित कर वैज्ञानिक रूप से संरक्षण तकनीकि को बढ़ावा देता है।

अन्य चार क्षेत्रो पर कार्य -
जलवायु परिवर्तन
संपोषणीय ऊर्जा
आजीविका
हरित अर्थव्यवस्था

रेड डाटा बुक :- IUCN द्वारा 1963 से जारी
→ विलुप्तप्राय, असुरक्षित एवं दुर्लभ जीवो तथा पादपों से संबधित पुस्तक है।

इसमे -
क्रान्तिक रूप से संकटापन्न जीव को - गुलाबी पृष्ठ पर
पुनः पर्याप्त संख्या मे वृद्धि होने पर - हरे पृष्ठ पर स्थानांतरित

IUCN की लाल सूची मे -
1- विलुप्त 2- वन्यजीवन मे विलुप्त 3- अतिसंकटग्रस्त
4- संकटापन्न 5- सुभेद्य 6- संकट के निकट
7- कम चिंतनीय 8- आकड़ो का आभाव 9- अनाकलित

कुछ प्रमुख विलुप्त प्रजातियाँ -

मैमथ	लाल पांडा
डोडो	एशियाई चीता
डायनासोर	गुलाबी मस्तक वाली बतख

Downloaded From www.ExamsKart.com

गंगा डाल्फिन :- वैज्ञानिक नाम - प्लैटीनिस्टा गंगेटिका
(सुसु) → यह मछली नहीं वरन स्तनधारी जीव है।

→ घ्राण शक्ति अत्यन्त तीव्र, इसे 'सन आफ रीवर' कहा जाता है।

→ 5 अक्टू 2009 को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित

→ गंगा का टाइगर कहा जाता है।

देश का पहला डाल्फिन रिजर्व - हुगली
डाल्फिन अनुसंधान केन्द्र - पटना वि॰वि॰

→ नदी सुरक्षा के लिए → बायो मानीटरिंग ट्रस्ट की संज्ञा

→ रिवर फार लाइफ - डाल्फिन के लिए - विश्व वन्य जीव कोष द्वारा

→ बिहार सरकार ने 5 अक्टू को नेशनल डाल्फिन डे मनाने का निर्णय

→ संयुक्त राष्ट्र - 2007 को डाल्फिन वर्ष घोषित किया था।

गिद्ध (vultures) -
→ पर्यावरण का प्राकृतिक सफाई कर्मी

→ सबसे बड़ा खतरा - दी जाने वाली (जानवरों को) दर्द निवारक दवा
डाइक्लोफिनैक सोडियम (गैर स्टेरायडल दवा)

गिद्ध प्रजनन केन्द्र - पिंजौर (हरियाणा)

शीत ऋतु मे प्रवास करने पक्षी -

साइबेरियन क्रेन
ग्रेटर फ्लेमिंगो
वुड सैंडपाइपर
यूरेशियन कबूतर

ग्रीष्म ऋतु मे प्रवास करने वाले पक्षी -

एशियाई कोयल
नीली पूँछ वाली मक्खी भक्षी

Downloaded From www.ExamsKart.com

कुछ महत्वपूर्ण तथ्य :-

→ अधिक जैव विविधता वाला पारितंत्र अपनी स्थिरता को कम विविधता वाले पारितंत्र की तुलना मे आसानी से कायम रखता है।

→ जीन बैंक से जैव विविधता को भारी क्षति पहुचती है।

→ विशिष्ट कृषि पद्धति जैव विविधता की संरक्षक नही है।

टुमारोज बायोडायवर्सिटी - वंदना शिवा

→ नारियल को कल्प वृक्ष कहा जाता है।

→ बाँस - सदाबहारी घास
↓ हरित सोना / राक्षस घास

आलू - अदरक → तना केले का तना → पत्ती

→

जैव विविधता विरासत स्थल मे अधिसूचित होने वाला भारत का प्रथम जलाशय - अमीनपुर झील (तेलंगाना)

→ विश्व का सबसे विशाल बरगद - शिवपुर वानस्पतिक उद्यान
(500 वर्ष पुराना) (कोलकाता)

सबसे बड़ा पुष्प - रैफ्लेशिया सबसे छोटा पुष्प - वोल्फिया सबसे लंबा वृक्ष - यूकोलिप्टस सबसे विशाल वृक्ष - शिकोया

→ क्रिकेट का सर्वोत्तम बल्ला - सेलिक्स की लकड़ी का
सबसे बढ़िया ढाकी - शहतूत की लकड़ी की

→ माचिस, पेंसिल, प्लाईवुड - पोपलर वृक्ष की लकड़ी की

→ सजावटी पौधों के रूप मे प्रयुक्त लेण्टाना उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के जंगलो को बरबाद कर रहा है।

→ जलकुंभी को जंगल का आतंक कहा जाता है।

Downloaded From www.ExamsKart.com

सबसे बड़ा कपि - गोरिल्ला
सबसे छोटा कपि (बंदर) - गिब्बन
सबसे बुद्धिमान कपि - चिम्पैंजी
↓
मानव का पूर्वज

विलुप्त पक्षी डोडो का निवास स्थल - मारीशस

गाजर घास :- अमेरिका से आयातित गेहूँ PL-480 के साथ (चर्म रोग, श्वास रोग, एलर्जी आदि रोग)

→ शार्क के यकृत से निकाला गया तेल - विटामिन A का सर्वोत्तम श्रोत
→ कटल फिश अपना रंग बदलती है।
→ जाइगीना मछली - हथौड़े के आकार की होती है।

* गैम्बूसिया मछली मच्छर के रोकथाम के प्रयोग मे लाई जाती है।

सीबकथार्न :- (लेह-बेरी) - लद्दाख के क्षेत्र मे
→ विटामिन तथा पोषक तत्व - प्रचुर मात्रा मे
→ ठण्डे क्षेत्रो मे रहने वालो के लिए अनुकूलित

देश का पहला तितली पार्क → बनेरघट्टा (बंगलुरु)
राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना - 2008 मे

→ इंडियन बोर्ड आफ वाइल्ड लाइफ की स्थापना - 1952
देश पहला वाइल्ड लाइफ कारिडोर - मध्य प्रदेश

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड :- सोहन चिड़िया / शर्मीली पक्षी
→ राजस्थान का राज्य पक्षी है।
संरक्षण के लिए - गोडावड़ संरक्षण प्रोजेक्ट

जेरडान कर्सर :- रात्रिचर पक्षी
श्री लंकामलेश्वर वन्य जीव अभ्यारण - आन्ध्र प्रदेश

Downloaded From www.ExamsKart.com

जैव विविधता का संरक्षण :-

स्वस्थाने संरक्षण (In-situ) - इसके अंतर्गत पौधों एवं जीव-जंतुओं को उनके प्राकृतिक आवास मे अनुकूल दशाए उपलब्ध कराके संरक्षण प्रदान किया जाता है।

- राष्ट्रीय उद्यान
- पक्षी विहार
- वन्य जीव अभ्यारण
- बायोस्फीय रिजर्व

पर-स्थाने संरक्षण - (Ex-situ) इसके अंतर्गत संकटग्रस्त जातियों को उनके मौलिक प्राकृतिक आवास से हटाकर अन्यत्र अनुकूल दशाओं वाले कृत्रिम आवास मे संरक्षण प्रदान किया जाता है।

- प्राणि उद्यान
- एक्वेरियम
- वन्य जीव सफारी पार्क

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के आधीन तीन प्रकार के जैव भौगोलिक क्षेत्रों का गठन किया गया है -

i) **राष्ट्रीय उद्यान** (National Park) -

→ इनका सीमांकन किसी पारितंत्र के विशेष पशु-पक्षियों तथा पेड़ पौधों को संरक्षण देने के लिए किया जाता है।

→ सीमाओं का निर्धारण - विधायिका द्वारा

→ इसके बफर जोन मे मानव हस्तक्षेप कर सकता है।

→ पर्यटन की अनुमति होती है, लेकिन आखेट की नही।

स्थापना - वन्य जीव संरक्षण अधि० 1972 के तहत

उद्देश्य - वन्य जीवों को मानव हस्तक्षेप से मुक्त सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना।

Downloaded From www.ExamsKart.com

वन्य जीव अभ्यारण्य :- (Wild life Sanctuary)

→ सीमांकन - किसी विशेष पशु पक्षी को संरक्षण देने के लिए
→ इनकी सीमाओं मे परिवर्तन एवं संशोधन नही किया जा सकता
→ अनुमति के साथ मानव सीमित रूप से हस्तक्षेप कर सकता है।
  ↳ लकड़ी काट सकता है।
  ↳ मछलियों एवं चिड़ियों का लाइसेन्स लेकर शिकार कर सकता है।
→ सीमित पर्यटन की अनुमति होती है।
→ शोधकार्य की सुविधाएं उपलब्ध नही होती।

जीवमंडल आगार - (Biosphere Reserve)

→ सीमांकन - अंतर्राष्ट्रीय नियमों के आधार पर
→ सीमाओं का निर्धारण - विधि प्रक्रियाओं द्वारा
→ एक से अधिक पारितंत्र होते हैं।
→ जैविक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक स्थल आकृतियों को संरक्षण
  ⇒ बायोस्फीयर रिजर्व की संकल्पना का उद्भव यूनेस्को के 1971 के मनुष्य व जीवमंडल (MAB) कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ।

भारत मे 1986 मे प्रारंभ हुआ - वर्तमान मे कुल - 18

भारत का पहला बायोस्फीयर - नीलगिरि (1986)
क्षे० फ० की दृष्टि से सबसे बड़ा - कच्छ
सबसे छोटा - डिब्रू सैखोवा

→ नीलगीरि बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र मे सदाबहार और मोन्टाने (शोला) शुष्क वन पाए जाते हैं।

→ यूनेस्को की सूची मे शामिल - कुल (10)

1- नीलगिरी	2- मन्नार की खाड़ी	3- सुंदरवन	4- नंदादेवी
5- नोकरेक	6- पंचमढ़ी	7- सिमलीपाल	8- अमरकंटक
9- ग्रेट निकोबार	10- अगस्त्यमाला		

Downloaded From www.ExamsKart.com

घड़ियाल एवं मगरमच्छ संरक्षित क्षेत्र :- 1976 से प्रारंभ

सतकोसिया जार्ज वन्य जीव अभ्यारण्य - उड़ीसा
भीतरकनिका वन्य जीव अभ्यारण्य - उड़ीसा
नंदन कानन वन्य जीव अभ्यारण्य - उड़ीसा
चम्बल वन्य जीव अभ्यारण्य - तमिलनाडु

केन्द्रीय मगरमच्छ प्रजनन एवं प्रशिक्षण संस्थान - हैदराबाद

→ मगरमच्छ अभ्यारण्य की सर्वाधिक संख्या - आन्ध्र प्रदेश

हाथी संरक्षण :- भारत का सबसे बड़ा स्थलीय स्तनपायी

प्रोजेक्ट एलीफैंट :- हाथियो की संख्या मे वृद्धि के लिए, 7 दिस० 1992 को सिंहभूमि (झारखण्ड) से शुरू।

उद्देश्य - → हाथियो तथा उनके आवासो एवं गलियारों का संरक्षण करना।
→ मनुष्य एवं हाथी के बीच संघर्ष को रोकना
→ घरेलू हाथियों का कल्याण करना।

→ वन्य हाथियों की गणना प्रत्येक 5 वर्ष के अंतराल पर की जाती है

→ भारत कुल एलीफैंट रिजर्व - 32

हाथी गलियारा :- हाथियो को उनके वृहद पर्यावास से जोड़ने वाला संकरा गलियारा रास्ता

गलियारे को नुकसान पहुँचाने वाले दो कारण -
→ कोयला खनन
→ लौह अयस्क खनन

हाथियों की अवैध हत्या के लिए निगरानी कार्यक्रम (MIKE) -

→ साइटस के दलीय सम्मेलन द्वारा 2003 मे प्रारंभ
→ दक्षिण एशिया के देशों मे शुरु किया गया कार्यक्रम

pcsmantra-(shiv prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

भारत के माइक (MIKE) स्थल :-

शिवालिक - उत्तराखंड
चिरांग रिपु - असम
दिहिंग पटकई - असम
देओमाली - अरुणांचल प्रदेश
गारो पहाड़ी - मेघालय
मयूर भंज - उड़ीसा
पूर्वी दुआर - प. बंगाल
मैसूर - कर्नाटक
नीलगिरि - तमिलनाडु
वायनाड - केरल

हाथी मेरे साथी अभियान :- मई 2011 से

→ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा वाइल्डलाइफ ट्रस्ट आफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से
→ शुभंकर - गज

गिद्ध संरक्षण परियोजना :- बाम्बे नेचुरल सोसायटी तथा हरियाणा वन विभाग के बीच समझौते के परिणाम स्वरूप 2006 से।

→ संरक्षण के लिए **सेव** कार्यक्रम चलाया गया।
→ इसके तहत पशुओं को दी जाने वाली दवा ~~डाइक्लो~~ **डाइक्लोफेनेक** को प्रतिबंधित किया गया।
↳ विकल्प के रूप मे - **मेलोक्सीकम** का उपयोग

देश का पहला गिद्ध प्रजनन केन्द्र - धरमपुर (असम)

→ इनकी कम होती संख्या को पहली बार - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान मे मापा गया

pdsmantra-by(shiv prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

हंगुल परियोजना :- रेडियार प्रजाति का हिरण
केवल दाचीग्राम राष्ट्रीय उद्यान - जम्मूकश्मीर मे शेष

लाल पांडा परियोजना :- पूर्वी हिमालयी क्षेत्र मे पाया जाता है।
अरुणांचल मे - इसे कैट बियर कहा जाता है।
→ संरक्षण के लिए 1996 मे पद्मजानायडू हिमालय पार्क की स्थापना
↓ WWF के सहयोग से

गैंडा परियोजना :- एक सींग वाले गैंडे - केवल भारत मे पाए जाते हैं
(1987 मे)
गैंडो के लिए प्रसिद्ध अभ्यारण्य -
- मानस अभ्यारण्य - असम
- जलदापारा अभ्यारण्य - प० बंगाल
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान - असम

भारत राइनो वीजन २०२० के उद्देश्य :-
→ २०२० तक गैंडों की संख्या - 3000 करना
→ गैंडो को 7 संरक्षित क्षेत्रों मे वितरित करना -
→ पहला स्थल - मानस बायोस्फीय रिजर्व

प्रोजेक्ट हिम तेंदुआ :- 2009 मे प्रशुरू की गई
→ उच्च हिमालयी क्षेत्रों मे पाए जाते हैं।
उद्देश्य - उनके आवासों को संरक्षित करना

कस्तूरी मृग परियोजना - IUCN की मदद से 1970 मे
प्रसिद्ध अभ्यारण्य -
- केदारनाथ अभ्यारण्य - उत्तराखंड → से प्रारंभ
- शिकारी देवी अभ्यारण्य - हिमांचल
- बद्री नाथ अभ्यारण्य - उत्तराखंड

कस्तूरी - केवल नर मृग मे
↓ मिथाइल दाइक्लोरो पेंटा डेकेनाल

pdf Mantra - by (Shivprasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

भारत के पवित्र उपवन :- खेचियोपलरी झील- सिक्किम

स्थानिक नाम :- पवित्र वनों को कहते है- ओरण

पवित्र वन -	आन्ध्र प्रदेश	कावू- केरल	
गुम्पा वन -	अरुणांचल प्रदेश	देवराय - महाराष्ट्र	
देवराय -	गोवा	देवभूमि - उत्तराखंड	
सरना -	झारखण्ड	जहेरा - प. बंगाल	

जीव-जंतुओं के संरक्षण से संबंधित परियोजना :-

बाघ परियोजना :- (Project Tiger) (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा संचालित)

→ 1 अप्रैल 1973 से जिम कार्बेट पार्क से कैलाश संखोला के नेतृत्व मे।

→ वन्य जीव संरक्षण की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी परियोजना

→ भारत मे कुल टाइगर रिजर्व - 50

→ भारत का सबसे बड़ा बाघ रिजर्व - नागार्जुन सागर (श्रीशैलम) आन्ध्र

→ भारत का सबसे छोटा टाइगर रिजर्व - बोर (महाराष्ट्र)

→ विश्व का सबसे ऊँचा बाघ रिजर्व - नामदफा (अरुणांचल प्रदेश)

→ विश्व का सबसे बड़ा बाघ रिजर्व - हुकांग घाटी (म्यांमार)

→ देश का बाघों का घर - रणथम्भौर वन्य जीव अभ्यारण्य (राज०)

विश्व हेरिटेज मे शामिल एकमात्र - मानस टाइगर रिजर्व

बाघों की औसत आयु -

प्राकृतिक पर्यावास मे - 8-15 वर्ष

मानव निर्मित पर्यावास मे - 16-20 वर्ष

→ प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वित्त पोषण -

100% केन्द्र सरकार

pcsmantra by (shivpratap yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

Tokslip के नाम से विख्यात अभ्यारण्य - इंदिरा गांधी अभ्यारण्य
अस्कोट वन्य जीव अभ्यारण्य - पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)
आकल काष्ट जीवाश्म पार्क - राजस्थान

जैव विविधता संरक्षण मे संलग्न संस्थान :-

ट्रैफिक :- (Trade Record Analysis for Flora and Fauna in commerce)
→ 1976 मे स्थापित WWF और IUCN का संयुक्त संरक्षण कार्यक्रम
→ उद्देश्य - महत्वपूर्ण पशुओं तथा पादपों के हिस्सों को संरक्षित करना।
→ वैश्विक नेटवर्क है जो वन्य जीव तथा पौधों के व्यापार पर निगरानी रखता है। (विश्व का सबसे बड़ा)

ट्रैफिक 2020 का लक्ष्य :-
→ जैव विविधता पर व्यापार से पड़ने वाले असर को कम करना
→ वन्य जीव संरक्षण से मिलने वाले सतत लाभ मे वृद्धि करना।

वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर :- स्थापना - 29 अप्रैल 1961
पूर्व नाम - विश्व वन्य जीव कोष (World wild life fund)
→ विश्व का सबसे बड़ा स्वतंत्र संरक्षण संगठन है।
→ स्लोगन - फार ए लिविंग प्लेनेट
→ लोगो - काला-सफेद पांडा

विश्व वन्य जीव कोष :- (World wide Fund · W.W.F)
स्थापना - 1961
मुख्यालय - मार्गस (स्विटजरलैंड)
प्रतीकचिह्न - ज्वाइंट पाडा
→ IUCN का सहायक संगठन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वन्य जीवों की देखभाल पर नजर रखता है।

pdf mantra-by(shiv prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो - नई दिल्ली
राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो - करनाल (हरियाणा)
वाइल्डलाइफ आफ इंडिया - देहरादून
नेशनल ब्यूरो आफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेस - लखनऊ

वर्ल्ड वाइड फंड फार नेचर - इंडिया
~~भारतीय वन्य जीव बोर्ड~~ :- (~~Indian Wild life Board~~)
स्थापना - 27 नवंबर 1969 (चैरिटेबल ट्रस्ट के रूप में)
→ वर्ल्ड वाइड फंड इसका मातृ संगठन है।

भारतीय वन्य जीव बोर्ड :- स्थापना - 1985 मे
→ इसके अधीन प्रत्येक राज्य के लिए राज्य वन्य जीव सलाहकार बोर्ड का गठन किया गया है।

बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी :- गैर सरकारी स्वतंत्र भारतीय संस्था
स्थापना - 15 सित॰ 1883
लोगो - ग्रेट हार्नबिल
पत्रिका - जर्नल आफ नेचुरल हिस्ट्री
अन्य प्रकाशन - बुक आन इंडियन रेप्टाइल्स
हैंड बुक आन बर्ड्स

संगठन	स्थापना वर्ष	कार्य
राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय	1978	पर्यावरण के क्षेत्र मे शिक्षा को बढ़ावा देना
भारतीय वन्य जीव संस्थान	1982	वन्य जीवों के बारे मे नीति निर्धारण एवं उनकी सुरक्षा का अध्ययन
भारतीय वन्य जीव बोर्ड	1985	जीव संरक्षण की योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी

pcs mantra by (shiv prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

जैव विविधता अभिसमय :- (C.B.D) (Convention on Biological Diversity)

→ जैव विविधता से संबधित अंतर्राष्ट्रीय सन्धि

→ भारत ने 5 जून 1992 को अपनाया
18 फर० 1994 को अनुमोदित किया।

→ 1992 के पृथ्वी शिखर सम्मेलन मे 154 देशों ने इस पर हस्ताक्षर किए।

→ 29 दिस० 1993 से प्रभावी है।

कार्टजेना जैव सुरक्षा प्रोटाकाल :- 29 जन० 2002 को कोलंबिया के कार्टेजेना नामक स्थान पर

11 सितम्बर 2003 से प्रभावी

→ यह आनुवांशिक रूपांतरित जीवों से सम्बद्ध है।

→ विभिन देशों के बीच जीवित संवर्द्धित जीव के आयात-निर्यात की प्रक्रिया और सुरक्षा सम्बन्धी मानक तय करता है

भारत द्वारा हस्ताक्षरित - 23 जनवरी 2001
पुष्टि - 17 जन० 2003
भारत मे प्रभावी - 11 सित० 2003

नागोया सम्मेलन :- (24 अक्ट 2010) नागोया (जापान) → 10वाँ सम्मेलन

→ आनुवांशिक संसाधनो के उपयोग से होने वाले लाभों के स्वस्थ एवं समान बटवारे से संबधित है।

→ उद्देश्य - जंगली प्रवाल भित्तियों एवं जैव विविधता की रक्षा करना

→ भारत ने 11 मई 2011 को हस्ताक्षर किया
प्रभावी - 12 अक्ट 2014
अनुसमर्थन - 9 अक्ट 2012

pcs mania by (shri prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

भारत का सबसे बड़ा वन्य जीव अभ्यारण्य - कच्छ का रन (गुजरात)

भारत का सबसे छोटा वन्य जीव अभ्यारण्य - पिट्टी (लक्षद्वीप)

भारत के प्रमुख पक्षी अभ्यारण्य -

तालछापर - राजस्थान
वेलोड - तमिलनाडु
अतापाका - आंध्र प्रदेश
सलीम अली - गोवा
खिजादिया - गुजरात
सुल्तान पुर - हरियाणा
गमगुल - हिमांचल
बाँकापुर - कर्नाटक
मंगलवनम - केरल

नेपाल के संरक्षित क्षेत्र

→ चितवन राष्ट्रीय उद्यान
→ सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान
→ खप्टाड राष्ट्रीय उद्यान
→ लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान
→ बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान
→ शुक्लाफांटा वन्य जीव विहार
→ खोसी थप्पू वन्य जीव विहार
→ भक्तपुर बायोस्फीयर रिजर्व

भूटान के संरक्षित क्षेत्र -

जिमी दोरजी राष्ट्रीय उद्यान
रायल मानस राष्ट्रीय उद्यान
फिब्सू वन्य जीव विहार

श्रीलंका के संरक्षित क्षेत्र -

याला राष्ट्रीय उद्यान
कुमाना राष्ट्रीय उद्यान
बुन्दाला राष्ट्रीय उद्यान

भारत के समुद्री संरक्षित क्षेत्र :- पहला - कच्छ की खाड़ी (गुजरात)

महात्मा गाँधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान - दक्षिणी अंडमान
लोहाबरकि अभ्यारण्य - दक्षिणी अभ्यारण्य
कैलीमर वाइट - तमिलनाडु
कोरिंगा वन्य जीव अभ्यारण्य - आन्ध्र प्रदेश
कृष्णा वन्य जीव अभ्यारण्य - आन्ध्र प्रदेश
हालीडे अभ्यारण्य - पं. बंगाल
लोथियन द्वीप - प. बंगाल
सजनाखाली अभ्यारण्य - पं. बंगाल

Prepared by (Shri Prajapati)

Downloaded From www.ExamsKart.com

परियोजना	प्रारम्भ वर्ष	कहां से शुरुआत
→ कस्तूरी मृग परियोजना	1970	केदारनाथ अभ्यारण्य
→ हांगुल परियोजना	1970	दचीग्राम राष्ट्रीय उद्यान
→ गिर सिंह परियोजना	1973	गिर अभ्यारण्य से
→ बाघ परियोजना	1973	जिम कार्बेट पार्क से
→ ओलिव रिडले कछुआ संरक्षण परियोजना	1975	भीतरकनिका अभ्यारण्य
→ घड़ियाल प्रजनन परियोजना	1975	तिकरपाड़ा (उड़ीसा) से
→ गैंडा परियोजना	1987	
→ हाथी परियोजना	1992	सिंहभूमि (झारखण्ड)
लाल पांडा	1996	पदमजा नायडू जंतु हिमालय पार्क

परियोजना	सहयोगी
कस्तूरीमृग	IUCN
लालपाडा	WWF
घड़ियाल प्रजनन	UNDP

भारत मे एशियाई हाथी के संरक्षक - रमन सुकुमार
गंगा पुत्र - राजेन्द्र सिंह
वन्य जीव (वाइल्ड) फिल्म निर्माता - माइक पाण्डे

जैव विविधता शब्द के प्रयोक्ता - E O विल्सन
हाट-स्पाट शब्द के प्रथम प्रयोक्ता - नार्मन मेयर्स
इकोसिस्टम शब्द के प्रयोक्ता - A.G टांसले
इकोलाजी शब्द के प्रथम प्रयोक्ता - अर्नेस्ट हेकेल
बायोस्फीयर रिजर्व शब्द के प्रयोक्ता - एडवर्ड सैस

जैव विविधता संरक्षण वाला संगठन - IUCN
रेड डाटा बुक प्रकाशित करने वाला संगठन - IUCN

बर्डमैन आफ इंडिया - सलीम अली
टाइगर मैन आफ इंडिया - कैलाश संखला
पर्यावरण इंजीनियर - जीडी अग्रवाल

Posmanta -by-(Shiv prasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

आदर्श प्राकृतिक निवास :-

साइबेरियन सारस के लिए

पेलिकन व समुद्री पक्षियों के लिए

सिंह पुच्छ बंदर (शिया बंदर)

हिम तेंदुआ + हिम भालू

दुर्लभ सफेद बाघ

कस्तूरी मृग

ओलिव रिडले कछुआ

एक सींग वाला गैंडा

संगाय हिरण

जंगली गधों का अभ्यारण्य

लवण जल मगर

महान भारतीय सारंग

नीलगिरी की मेघ बकरिया

हुलुक गिब्बन

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (असम) (माजुली द्वीप पर)

केलामेरु पक्षी अभ्यारण (आन्ध्र)

कुडेमुख राष्ट्रीय उद्यान

पिनघाटी राष्ट्रीय उद्यान (हिमांचल प्रदेश)

नंदन कानन (उड़ीसा)

बद्रीनाथ अभ्यारण्य (उत्तराखंड)

भितरकनिका (उड़ीसा)

काजीरंगा उद्यान (असम)

केबुललामजाओ (मणिपुर)

कच्छ (गुजरात)

भितरकनिका उड़ीसा

मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)

इरावीकुलम राष्ट्रीय पार्क (केरल

पूर्वोत्तर भारत असम

pcs mantra-by-(shivprasad yadav)

Downloaded From www.ExamsKart.com

→ विश्व का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान - यलोस्टोन नेशनल पार्क (अमेरिका)

→ बर्फ जीवों के लिए स्थापित राष्ट्रीय पार्क - पिन घाटी राष्ट्रीय पार्क (हिमांचल)

डाचीगाँव राष्ट्रीय उद्यान - कश्मीर
(हांगुल के लिए)
केवला देव राष्ट्रीय घाना उद्यान - राजस्थान
(पक्षियों के लिए)

साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान (केरल) :- प्रचुर जैव विविधता वाला उद्यान

→ नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व इस राष्ट्रीय उद्यान की हृदय स्थली है।

→ कुंती नदी इस उद्यान से होकर बहती है।

कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान अपना जल प्राप्त करता है -
रामगंगा (बाणगंगा), गंभीरी नदी से

→ बारहसिंहे के लिए प्रसिद्ध - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (म०प्र०)

→ बारहसिंहे की सर्वाधिक संख्या - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

→ घड़ियालों की सर्वाधिक संख्या - भितरकनिका उद्यान (उड़ीसा)

→ साइबेरियन सारस का प्रजनन स्थल - केवलादेव घाना उद्यान / पक्षी विहार

→ एशियाई शेरों का पुनर्प्रवेशन स्थल - कूनो वन्य जीव अभ्यारण्य (मध्य प्रदेश)

→ मरीन राष्ट्रीय उद्यान - अण्डमान निकोबार

→ सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यानों वाले राज्य - मध्य प्रदेश
अण्डमान निकोबार

→ गुजरात का गिर अभ्यारण्य न केवल भारत के लिए बल्कि एशिया में सिंहों के लिए एकमात्र स्वर्ग कहा जाता है।

pcsmantra by (shiv prasad yadav)